ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-01-2024

सहरसा(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-01-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-01-24	2024-01-25	2024-01-26	2024-01-27	2024-01-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	17.0	17.0	18.0	18.0	19.0
न्यूनतम तापमान(से.)	7.0	7.0	8.0	8.0	9.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	90	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	35	35	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	3	3	4
पवन दिशा (डिग्री)	290	290	280	280	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आगामी पांच दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। आसमान साफ़ रहेंगे। इस दौरान पछिया हवा चलने का पूर्वानुमान है। आईएमडी, पटना के दैनिक मौसम बुलेटिन के अनुसार, अगले पांच दिनों के दौरान राज्य के न्यूनतम एवं अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने का पूर्वानुमान है।

सामान्य सलाहकार:

जो किसान एंड्रॉइड मोबाइल का उपयोग कर रहे हैं, उन्हें आंधी और बिजली के बारे में शुरुआती अलर्ट के लिए दामिनी ऐप, मौसम आधारित कृषि-सलाह के लिए मेघदूत ऐप, थंडर / बारिश के लिए मौसम और रेन अलार्म ऐप डाउनलोड करना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

देर से बोई गई सरसों के खेत में एफिड के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए, साफ मौसम की स्थिति में डाइमेथोएट @ 1-1.5 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करने की सलाह दी जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	किसानों को सलाह दी जाती है कि गेंहू की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए बुआई के 30-35 दिन बाद सल्फोसल्फ्युरान + मेटसल्फ्युरान (टोटल) 16 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 120-150 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे| स्प्रे का काम मौसम साफ रहने पर करना चाहिए। वर्षा को ध्यान में रखते हुए, किसान भाइयो को सलाह दी जाती है की छिड़काव का कार्य दो दिन बाद करे।
मक्का	किसान भाइयो को मक्का के खेत में फालआर्मीवोर्म पिल्लू के खिलाफ खेतो की निरंतर निगरानी करने की सलाह दी जाती है| इसके संक्रमण होने पर एमामेक्टिन बेंजोएट@ ०.४ ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है|

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	सब्जियों वाली फसल में निराई-गुड़ाई की सलाह दी जाती है| बैंगन में फल और तना छेदक कीट के आक्रमण के विरुद्ध नियमित निगरानी की सलाह दी जाती है। यदि संक्रमण होता है, तो प्रति एकड़ की दर से फेरोमोन ट्रैप 3-4 लगाने की सलाह दी जाती है। यदि कीटों की संख्या ईटीएल से ऊपर देखी जाती है, तो स्पिनोसैड 1.0 मिली/4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। छिड़काव से पहले संक्रमित फलों और टहनियों को इकट्ठा करके मिट्टी में दबा देना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	कम तापमान दूध उत्पादन और घरेलू पशुओं के रहन-सहन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। किसान भाइयो को जानवरों को प्रोटीन युक्त आहार देने की सलाह दी जाती है। रात के समय पशुओं को खुले में

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
	न रखें। जिस स्थान पर पशु रखे जाते हैं वहां स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए।